ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

माया मुक्त ब्राह्मण जीवन के लिए

परमात्म इशारे

याद रखो...,
जब सच्चे बाप (परमात्मा शिव पिता) को
अपने जीवन की नैय्या दे दी है,
तो सत्य की नांव हिलेगी,
लेकिन डूब नहीं सकती।

(अव्यक्त महावाक्य - 03.05.1977)

Peace of Mind
d2h 1221
dishtv 1087
TATA PLAY 1065
airtel digital TV 678
SUN DIRECT 496

माया के चोर गेट

बापदादा 4.12.1995

जब सर्वशक्तिमान् बाप साथ है तो सर्वशक्तिमान् के आगे अपवित्रता आ सकती है? नहीं आ सकती। लेकिन आती तो है! तो आती फिर कहाँ से है? कोई और जगह है? चोर लोग जो होते हैं वो अपना स्पेशल गेट बना लेते हैं। चोर गेट होता है। तो आपके पास भी छिपा हुआ चोर गेट तो नहीं है? चेक करो। नहीं तो माया आई कहाँ से? ऊपर से आ गई? अगर ऊपर से भी आ गई तो ऊपर ही खत्म हो जानी चाहिये। कोई छिपे हुए गेट से आती है जो आपको पता नहीं पड़ता है तो चेक करो कि माया ने कोई चोर गेट तो नहीं बनाकर रखा है? और गेट बनाती भी कैसे है, मालूम है? आपके जो विशेष स्वभाव या संस्कार कमज़ोर होंगे तो वहीं माया अपना गेट बना देती है। क्योंकि जब कोई भी स्वभाव या संस्कार कमज़ोर है तो आप कितना भी गेट बन्द करो, लेकिन कमज़ोर गेट है, तो माया तो जानीजाननहार है, उसको पता पड़ जाता है कि ये गेट कमज़ोर है, इससे रास्ता मिल सकता है और मिलता भी है। चलते-चलते अपवित्रता के संकल्प भी आते हैं, बोल भी होता, कर्म भी हो जाता है। तो गेट खुला हुआ है ना, तभी तो माया आई। फिर साथ कैसे हुआ? कहने में तो कहते हो कि सर्वशक्तिमान् साथ है तो ये कमज़ोरी फिर कहाँ से आई? कमज़ोरी रह सकती है? नहीं ना? तो क्यों रह जाती है? चाहे पवित्रता में कोई भी विकार हो, मानो लोभ है, लोभ सिर्फ खाने-पीने का नहीं होता। कई समझते हैं हमारे में पहनने, खाने या रहने का ऐसा तो कोई आकर्षण नहीं है, जो मिलता है, जो बनता है, उसमें चलते हैं। लेकिन जैसे आगे बढ़ते हैं तो माया लोभ भी रॉयल और सूक्ष्म रूप में लाती है।

ओम् शान्ति

अव्यक्त शिक्षाएँ

एक बाप दूसरा न कोई, चलते चलो, उड़ते चलो। कोई भी संकल्प आये तो ऊपर देकर स्वयं निःसंकल्प होकर चलते जाओ। विचार देना, इशारा देना यह दूसरी बात है, हलचल में आना यह दूसरी बात है। तो सदा एकरस। संकल्प दिया और निर्संकल्प बने। सदा स्वउन्नति और सेवा की उन्नति में बिजी रहो और सर्व के प्रति शुभभावना रखो। जिस शुभ भावना से जो संकल्प रखते वह सब पूरा हो जाता है। शुभसंकल्प पूरे होने का साधन है- 'एकरस अवस्था'। शुभ चिन्तन, शुभचिंतक- इसी से सब बातें सम्पन्न हो जायेंगी। चारों ओर के वातावरण को शक्तिशाली बनाना यही है शक्तिशाली श्रेष्ठ आत्माओं का कर्त्तव्य।

अ.बापदादा-11.04.83

श्रेष्ठ प्रेरणा

अहंकार मत करिए किसी को कुछ देकर... क्या पता आप दे रहे हैं या पिछले जन्म का कर्ज़ उतार रहे हैं...।

Download App - Learn Rajyoga Meditation

परमपिता शिव परमात्मा

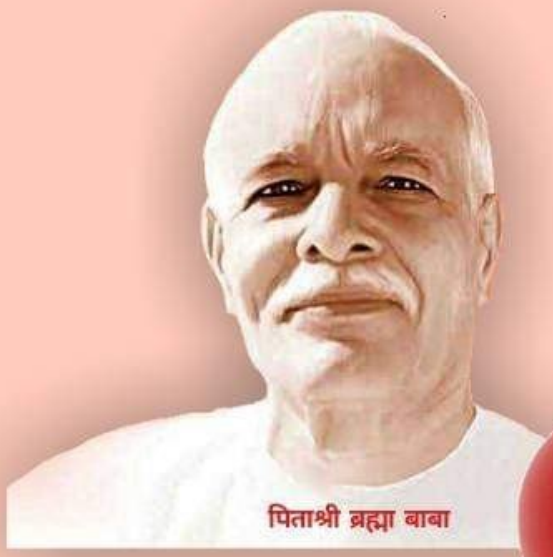

मेरा बाबा

OM SHANTI

बापदादा का दिलतख्त
सर्वश्रेष्ठ स्थान है
जो सदा बापदादा के
दिलतख्तनशीन रहते हैं
वो ही सेफ रहते हैं
उनके पास माया आ नहीं सकती
ऐसी दिलतख्तनशीन आत्मा
निर्भय है, निश्चिंत है

Join Brahma Kumaris

- B K S H I V A N I

उम्र में छोटों से और बड़ों से,
रिश्ते में छोटों से और बड़ों से,
औधे में छोटों से और बड़ों से,
जिनके लिए हम काम करते हैं,
हमारे लिए जो काम करते हैं...
क्या हम सब से उतने ही
सम्मान और प्यार से बात करते हैं ?

समानता नम्रता है
भिन्नता अहंकार है।

HAVE THE FAITH THAT YOU DO HAVE A SOLUTION, YOU DO HAVE ANSWERS, YOU DO KNOW WHAT MUST BE DONE.

-DADI JANKI

www.dadijanki.org

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org